University in News on 03 December 2020

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष
100 Years 1920-2020

i-NEXT PAGE 4

पीजी की संशोधित मेरिट सूची जारी

LUCKNOW (2 Dec): लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में जारी परास्नातक पाठ्यक्रमों की मेरिट सूची में गड़बड़ियों के चलते मेरिट सूची को बार-बार बदलना पड़ा. विश्वविद्यालय प्रशासन ने बुधवार को संशोधित सूची जारी कर दी है. कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस संशोधित सूची के आधार पर दाखिले दिए जाएंगे.दरअसल, कुछ दिनों पूर्व लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीजी की मेरिट सूची जारी की थी. लॉ समेत कई विषयों की मेरिट सूची में तीन बार परिवर्तन किया गया. इसको लेकर छात्रों ने आपत्ति दर्ज कराई थी. छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर अपने करीबियों को दाखिला देने के लिए मेरिट सूची में गड़बड़ी के आरोप भी लगाए. छात्रों की मांग पर कुलपति ने दाखिले की प्रक्रिया को रोक कर इस पूरे मामले की जांच के आदेश दिए थे. जांच समिति की रिपोर्ट में प्रवेश परीक्षा की ओएमआर शीट के मूल्यांकन के दौरान गलत आंसर फीड किए जाने की बात सामने आई है.

एलएलबी और एमए राजनीति शास्त्र की मेरिट में गड़बड़ी के लगे थे आरोप

अब पांच सदस्य समिति करेगी रिजल्ट जारी

दोबारा ऐसी चूक न हो इसके लिए विश्वविद्यालय ने रिजल्ट जारी करने की प्रक्रिया में ही बदलाव किया है. अभी तक यह रिजल्ट प्रवेश समन्वयक के स्तर पर जारी किए जाते थे. अब इसके लिए पांच सदस्य समिति का गठन किया गया है. समिति में विषय विशेषज्ञों को भी रखा गया है. दावा है कि इससे गड़बड़ी की संभावना कम होगी.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : परास्नातक में दाखिले का संशोधित परिणाम जारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि ने परास्नातक प्रवेश परीक्षा का संशोधित रिजल्ट बुधवार को जारी कर दिया। प्रवेश परीक्षा की पूरी रैंक लिस्ट वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र अपलोड करने के लिए चार दिसंबर तक का मौका दिया गया है। अगले सप्ताह से ऑनलाइन काउंसलिंग शुरू होगी।

लविवि ने इस बार केंद्रीकृत काउंसिलिंग प्रणाली लागू की है। इसके तहत परिसर के साथ ही कॉलेजों के दाखिले भी विवि स्तर से किए जा रहे हैं। लविवि में इस बार कोरोना के चलते परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया अक्तूबर में हो पाई। इसका रिजल्ट आया तो भारी गड़बड़ी कर दी गई। अभ्यर्थियों के धरना प्रदर्शन के बाद लविवि कुलपति ने प्रो. डीएनएस यादव, प्रो. अवधेश त्रिपाठी और प्रो मधुरिमा प्रधान की तीन सदस्यीय जांच कमेटी बना दी। कमेटी ने रिपोर्ट दी कि जिस सेट के प्रश्न पत्र की ओएमआर शीट थी उसका मूल्यांकन दूसरे सेट के प्रश्न पत्र की आंसर-की से किया गया। एडमिशन सेल के अधिकारियों को गड़बड़ी की जानकारी हुई तो उन्होंने बाद में सही आंसर-की से मूल्यांकन कराया। इसके बाद लॉ, एमएससी बॉटनी, जूलॉजी, मैथ्स की पहले जारी की गई मेरिट में काफी बदलाव हो गया और समिति की सिफारिश पर पूरा रिजल्ट निरस्त कर दिया गया। कुलपति ने नए सिरे से रिजल्ट तैयार करने के लिए हिंदी विभाग के प्रो. पवन अग्रवाल, प्रो. राजीव मनोहर, प्रो. आनंद विश्वकर्मा, डॉ. अनित्य गौरव और डॉ. जॉय सरकार की कमेटी बनाई। कमेटी ने सभी पीजी पाठ्यक्रमों की ओएमआर शीट का मूल्यांकन दोबारा कराने के बाद नई मेरिट लिस्ट तैयार कर बुधवार को इसे जारी कर दिया। उधर, समाजवादी छात्र सभा ने लविवि पर पुरानी सूची ही जारी कर देने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

अगले सप्ताह से काउंसिलिंग

संशोधन का भी मौका

लविवि ने उन अभ्यर्थियों को भी अपने प्रमाणपत्र अपलोड करने का मौका दिया है जिन्होंने सही प्रमाणपत्र अपलोड नहीं किए हैं। उन्हें अपनी गलती सुधारने का मौका भी दिया जाएगा। गलत प्रमाणपत्र अपलोड करने पर काउंसिलिंग में शामिल होने का मौका नहीं मिलेगा।

“ वेबसाइट पर पूरी रैंक उपलब्ध

परास्नातक प्रवेश परीक्षा का नया रिजल्ट संशोधन के बाद बुधवार को जारी कर दिया गया है। विवि की वेबसाइट पर पूरी रैंक उपलब्ध है। इसके बाद काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होगी। - **डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लविवि**

बीएससी तीसरे व 5वें सेमेस्टर की चलेंगी सामान्य कक्षाएं

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि में हुई बैठक, वाणिज्य की तरह कला संकाय में भी दो दिन क्लास

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी तृतीय और पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल की क्लास के लिए अब परेशान नहीं होना पड़ेगा। विवि ने इन विद्यार्थियों के लिए सात दिसंबर से सामान्य कक्षाएं शुरू करने का फैसला लिया है। बीएससी प्रथम सेमेस्टर में प्रैक्टिकल न होने की वजह से फिलहाल इसकी ऑनलाइन क्लास ही चलेगी। लविवि में बुधवार को हुई बैठक में यह फैसला हुआ। उधर, कला संकाय में हफ्ते में सिर्फ दो दिन सामान्य कक्षाएं चलेंगी। बाकी दिन ऑनलाइन पढ़ाई होगी।

कोविड-19 की वजह से मार्च से नियमित कक्षाओं का संचालन नहीं हो रहा है। जुलाई में शुरू होने वाले सत्र की शुरुआत भी ऑनलाइन ही करनी पड़ी। स्थिति थोड़ी सामान्य होने पर सरकार ने उच्च शिक्षण संस्थानों को खोलने की इजाजत तो दी है, लेकिन इसमें तमाम प्रतिबंध लगाए हैं। रोटेशन के हिसाब से विद्यार्थियों को बुलाया जाना है। लविवि ने अपने शताब्दी समारोह की वजह से दो दिसंबर से सामान्य कक्षाएं शुरू करने की बात कही थी, लेकिन इंटरनल परीक्षा के चलते अब इसे सात दिसंबर से शुरू करने का फैसला लिया गया है। इसके लिए संकाय के हिसाब से विद्यार्थियों के आने का रोटेशन भी तय कर दिया है। वाणिज्य संकाय ने सप्ताह में दो दिन विद्यार्थियों को बुलाने का फैसला मंगलवार को ही ले लिया था। वहीं कला और विज्ञान संकाय की बैठक बुधवार को हुई। इसमें तय हुआ कि विज्ञान संकाय में प्रैक्टिकल वाले विद्यार्थियों को वरीयता दी जाए, ताकि वे परिसर में आकर में प्रैक्टिकल पूरे कर सकें।

प्रतीकात्मक

दो सप्ताह बाद होगी समीक्षा

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि में सामान्य क्लासेस की व्यवस्था सिर्फ दो सप्ताह के लिए है। इसके बाद नए सिरे से समीक्षा की जाएगी। स्थिति सामान्य होने की सूरत में सामान्य कक्षाओं के दिन बढ़ाए जा सकते हैं। इस दौरान लविवि में ऑनलाइन कक्षाएं लगातार चलती रहेंगी। किसी प्रकार की समस्या होने पर विद्यार्थी शिक्षकों से भी संपर्क कर सकते हैं।

नेट व जेआरएफ में मिली सफलता

लखनऊ। यूजीसी द्वारा आयोजित नेट-जेआरएफ परीक्षा में लखनऊ विश्वविद्यालय के सौ से ज्यादा विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। यह जानकारी लविवि की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने दी। उधर, लोहिया विधि विश्वविद्यालय के अनन्या सिंह, अजीत यादव, गुलफ्शा, मनीष कुमार और प्रियांशु सचान भी इसमें सफल हुए हैं। विधि विश्वविद्यालय के सफल छात्रों ने इसका श्रेय शिक्षकों की शोध प्रेरित शिक्षण पद्धति और निरंतर उत्साहवर्धन को दिया। कुलपति प्रो. एसके भटनागर, कुलसचिव अनिल मिश्रा, पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. संजय सिंह, डॉ. तिवारी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. मनीष सिंह समेत अन्य शिक्षकों ने भी सफल छात्रों को बधाई दी।

HINDUSTAN PAGE 5

एलएलबी और एमए राजनीतिशास्त्र की मेरिट में हुई थी गड़बड़ी

लखनऊ विवि : पीजी की संशोधित मेरिट सूची जारी

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से पूर्व में जारी परास्नातक पाठ्यक्रमों की मेरिट सूची में गड़बड़ियां हुई थीं। एलएलबी और एमए राजनीति शास्त्र की ओएमआर शीट के मूल्यांकन के दौरान गलत आंसर की लगा दी गई। जिसके चलते मेरिट सूची को बार-बार बदलना पड़ा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बुधवार को संशोधित सूची जारी कर दी है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि इस संशोधित सूची के आधार पर दाखिले दिए जाएंगे।

बता दें बीते दिनों लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीजी की मेरिट सूची जारी की थी। लॉ समेत कई विषयों की मेरिट सूची में तीन बार परिवर्तन किया गया। इसको लेकर छात्रों ने आपत्ति उठाई। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर अपने करीबियों को दाखिला देने के लिए मेरिट सूची से छेड़छाड़ करने के आरोप भी लगाए। छात्रों की मांग पर कुलपति ने दाखिले की प्रक्रिया को रोक कर इस पूरे मामले की जांच के आदेश दिए थे। जांच समिति की रिपोर्ट में प्रवेश परीक्षा की ओएमआर शीट के मूल्यांकन के दौरान गलत आंसर की फीड किए जाने की बात सामने आई है।

5 सदस्यीय समिति करेगी नतीजे जारी

इस तरह की चूक दोबारा न हो इसको देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने नतीजे जारी करने की प्रक्रिया में ही बदलाव कर दिया है। अभी तक यह नतीजे प्रवेश समन्वयक के स्तर पर जारी किए जाते थे। अब इसके लिए 5 सदस्यों की समिति का गठन किया गया। समिति में विषय विशेषज्ञों को भी रखा गया है। दावा है कि इससे नतीजों में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका शून्य हो जाएगी।

पीजी प्रवेश परीक्षा की मेरिट सूची जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से बुधवार देर शाम पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा की मेरिट सूची जारी कर दी गई है। यह सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि संशोधित मेरिट सूची के साथ ही डॉक्यूमेंट अपलोड करने के लिए पोर्टल भी खोला गया है। पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए इच्छुक छात्र आगामी 4 दिसंबर तक अपने दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं।

जो अभ्यर्थी दस्तावेजों को पहले ही अपलोड कर चुके हैं, उन्हें संशोधन का विकल्प भी दिया जा रहा है। बीपीएड, एमपीएड और एमएड प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों को भी अपनी मार्कशीट और अन्य दस्तावेज अनलॉक पोर्टल पर अपलोड करने होंगे। इन परीक्षाओं के नतीजे जल्द जारी किए जाएंगे।

कला संकाय

दो दिन आएंगे छात्र

7 दिसंबर से ऑफलाइन कक्षाओं को लेकर बुधवार को विभागाध्यक्षों की बैठक में तय किया गया कि कला संकाय में सप्ताह में सिर्फ 2 दिन छात्र छात्राओं को बुलाया जाएगा। साइंस फैकल्टी में थ्योरी की क्लास ऑनलाइन ही होंगी। प्रथम सेमेस्टर की क्लास भी ऑनलाइन होंगी।

बच्चों का साहित्य पढ़कर सीखी अंग्रेजी भाषा...

लखनऊ विश्वविद्यालय 100 साल | कुछ यादें कुछ किस्से (14)

सुहैल काकोरवी

1971 से 75 तक चार साल तक लखनऊ विश्वविद्यालय का छात्र रहा हूं। दाखिले के लिए जब मैं अपना फार्म भरकर लखनऊ विश्वविद्यालय पहुंचा तो वो फार्म जमा करने की अंतिम तिथि थी। मेरे दोस्त मनोहर गुरनानी ने फार्म जमा करने में मेरी मदद की और मुझे लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश मिल गया।

यह कहने में मुझे कोई संकोच नहीं है कि पढ़ने की जो रुचि मुझमें नहीं थी, वो स्नातक में प्रवेश पाते ही पैदा हो गई। वजह ये समझ में आई कि उर्दू विभाग में प्रो. शबीहुल हसन नौनेहरवी, प्रो. मलिकजादा मंजूर अहमद, डॉ. शुजाअत अली संदील्वी जैसे उस्ताद निष्ठा से अध्यापन का कार्य भी कर रहे थे और उनके पढ़ाने का ढंग ऐसा था कि उसमें दिलचस्पी पैदा हो जाना यकीनी था।

दूसरी तरफ अंग्रेजी का विभाग था जहां फौरन उर्दू के बाद अंग्रेजी साहित्य के क्लास होते थे। उस समय प्रो. नरेश चन्द्र अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष थे। पदमश्री राज बिसारिया, डॉ.माथुर, डॉ.आरएन श्रीवास्तव, प्रो. ख्वाजा जमीलुद्दीन उस विभाग में अपने ज्ञान के मोती लुटा रहे थे। अंग्रेजी मुझे बहुत कम आती थी लेकिन इतने अच्छे अध्यापकों के पढ़ाने का जो अंदाज था, उसने मुझे प्रेरित किया कि मैं केवल इम्तिहान पास करने के लिये नहीं बल्कि ज्ञान अर्जित करने के लिये अंग्रेजी पढ़ूं।

उस समय ब्रिटिश काउंसिल लाइब्रेरी मेफेयर हजरतगंज में थी। मैंने वहां जाना शुरू किया और बच्चों के साहित्य से अंग्रेजी सीखने का प्रयास किया और जो कुछ मेरी समझ के बाहर होता वो शब्दकोष की मदद से मैं जानने का प्रयास करता, कुछ ही दिन में मैं इतना सक्षम हो गया कि अपने गुरूजनों से अंग्रेजी के अलग-अलग विषयों पर बात करने लगा और मेरी कोशिशों ने मुझे बेहतर छात्रों की श्रेणी में ला दिया। बीए करने के बाद जब मैंने अंग्रेजी में एमए करना शुरू किया तो अंग्रेजी साहित्य मुझे मजा देने लगा और मैंने अपने जीवन की पहली कविता जो अंग्रेजी तथा हिन्दी दोनों में ही थी को विभाग के एक समारोह में पढ़ा। मुझे मेरे अध्यापकों से बहुत प्रशंसा भी मिली। - *मोहीउद्दीन हसन उर्फ सुहैल काकोरवी, शायर*

नेट जेआरएफ में एलयू सुपर 30 के 10 होनहार

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के सुपर 30 के 10 होनहारों ने इस बार नेट जेआरएफ में सफलता हासिल की है। विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में नेट जेआरएफ की तैयारी के लिए इन विशेष कक्षाओं का संचालन किया जाता है।

यहां विश्वविद्यालय के रिसर्च स्कॉलर एम.कॉम के छात्रों को इन परीक्षाओं के लिए तैयार करते हैं। यह कक्षाएं पूरी तरह से निशुल्क हैं।

वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अवधेश त्रिपाठी ने बताया कि इन कक्षाओं की शुरुआत पिछले वर्ष की गई थी। दिसंबर 2019 की परीक्षा में विभाग के 9 छात्र छात्राओं ने सफलता पाई थी।

इस बार जेआरएफ में सफलता पाने वालों में अक्षत बत्रा, प्रिया सिंह और साहिबा खान शामिल हैं।

वहीं जानकारी के अनुसार दुर्गेश यादव, अनन्या अग्रवाल, सोनाली, शिवानी मौर्या, रवि कुमार, सुमित कुमार समेत अन्य ने नेट में सफलता पाई है।

JAGRAN CITY PAGE III

पीजी की संशोधित मेरिट सूची जारी

- एलएलबी और एमए राजनीति शास्त्र की मेरिट में गड़बड़ी के लगे थे आरोप
- रिजल्ट जारी करने की प्रक्रिया में किया गया बदलाव

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में जारी परास्नातक पाठ्यक्रमों की मेरिट सूची में गड़बड़ियों के चलते मेरिट सूची को बार-बार बदलना पड़ा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बुधवार को संशोधित सूची जारी कर दी है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस संशोधित सूची के आधार पर दाखिले दिए जाएंगे।

दरअसल, कुछ दिनों पूर्व लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीजी की मेरिट सूची जारी की थी। लॉ समेत कई विषयों की मेरिट सूची में तीन बार परिवर्तन किया गया। इसको लेकर छात्रों ने आपत्ति दर्ज कराई थी। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर अपने करीबियों को दाखिला देने के लिए मेरिट सूची में गड़बड़ी के आरोप भी लगाए। छात्रों की मांग पर कुलपति ने दाखिले की प्रक्रिया को रोक कर इस पूरे मामले की जांच के आदेश दिए थे। जांच समिति की रिपोर्ट में प्रवेश परीक्षा की ओएमआर शीट के मूल्यांकन के दौरान गलत आंसर फीड किए जाने की बात सामने आई है।

अब पांच सदस्य समिति करेगी रिजल्ट जारी

दोबारा ऐसी चूक न हो इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने रिजल्ट जारी करने की प्रक्रिया में ही बदलाव किया है। अभी तक यह रिजल्ट प्रवेश समन्वयक के स्तर पर जारी किए जाते थे। अब इसके लिए पांच सदस्य समिति का गठन किया गया है। समिति में विषय विशेषज्ञों को भी रखा गया है। दावा है कि इससे गड़बड़ी की संभावना कम होगी।

नेट में लविवि के मेधावियों का दबदबा

लखनऊ विश्वविद्यालय के सुपर 30 के एक दर्जन से अधिक होनहार नेट जेआरएफ में सफल हुए हैं। विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में नेट जेआरएफ की तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं संचालित होती हैं। विश्वविद्यालय के रिसर्च स्कॉलर एम.कॉम के छात्रों को इन परीक्षाओं के लिए निशुल्क तैयार करते हैं।

वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अवधेश त्रिपाठी ने बताया कि इन कक्षाओं की शुरुआत पिछले वर्ष की गई थी। दिसंबर 2019 की परीक्षा में विभाग के नौ छात्र-छात्राओं ने सफलता पाई थी। इस बार जेआरएफ में सफलता पाने वालों में अक्षत बत्रा, प्रिया सिंह और साहिबा खान शामिल हैं। वहीं, दुर्गेश यादव, अनन्या अग्रवाल, सोनाली, शिवानी मौर्या, रवि कुमार, सुमित कुमार समेत अन्य नेट में सफल रहे हैं। इन कक्षाओं से अलग तैयारी कर रही एम.कॉम के छात्रा मानसी जोशी और याशिका आनंद ने भी सफलता पाई है।

विभागवार चयनित विद्यार्थी

अंग्रेजी- 13, सांख्यिकीय-2, सोशियोलॉजी-5, फिलॉसफी-2, मॉडर्न हिस्ट्री-3, फिजिकल एजुकेशन-3 एजुकेशन-12, एंशियंट इंडियन हिस्ट्री-1, अरेबिक-4, अप्लाइड इकोनॉमिक्स-4, सोशल वर्क-1, लॉ-1, उर्दू-6, एंथ्रोपोलॉजी-3, डिफेंस स्टडीज-1, पॉलिटिकल साइंस-6, कॉमर्स-12

TOI PAGE 3

Farmer's son scores 100 in Urdu; a first in LU history

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: He came from a small town, studied at a madrassa, lived in a rented room in Kaiserbagh and gave tuition to pay his fee.

Life threw many challenges at this farmer's son but he remained undeterred.

The hard work of Mohd Taufique, a BA (final year) student at Mumtaz PG College, finally paid off when he became the first student in the history of Lucknow University to score 100% marks in Urdu and emerge as course topper. Taufique will be awarded the prestigious Braj Narayan Chakbast Memorial Gold Medal for securing highest marks in Urdu.

While Taufique did his teacher and parents proud by scoring full marks, another student Mohammad Qasim, has also brought laurels by securing highest marks in MA (Urdu). He will be awarded Vice-Chancellor's gold medal. Qasim has also cleared UP assistant teacher recruitment examination and has also qualified civil services (pre) examination-2018.

Taufique gave the credit of his success to his teacher Prof Firdaus Jahan and said he wanted to become a teacher so that he could teach students coming from a humble background.

"My father was a farmer. After his death in 2012, my family had to face financial crisis. After completing my schooling from a madrassa in Basti, I came to Lucknow and started giving tuition to continue my studies," said Taufique. Taufique said he had never imagined that he would become the first student to score full marks in Urdu and get a gold medal.

Head of LU's Urdu department Prof Abbas Raza Nayyar said, "Since the examination was multiple-choice based in view of pandemic, the student has scored full marks. Still, one needs to study thoroughly to secure full marks even in an objective type examination."

Meanwhile, MA (Urdu) topper Qasim has joined as an assistant teacher in a basic school in Ambedkarnagar. "The support of my teacher and parents helped me perform well. I am already a teacher in a basic school and want to clear UPSC (mains) examination to become a civil servant," Qasim said.

Mohd Taufique (L) & Mohd Qasim

Vision barriers fail to foil LU student dream

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: When MA (Urdu) student Mohd Ghufran cleared the National Eligibility Test- Junior Research Fellowship examination JRF by scoring 172 marks out of 300, his teachers and friends were even more happier than him and celebrated his success.

Ghufran, who is differently-abled, said, "I have vision problem since birth. I have zero vision in one eye and just 5% in the other. I am grateful to my teachers and friends who recorded lectures for me."

Ghufran, who lives in Aminabad, said, "I want to pursue PhD from Lucknow University as everyone here is very supportive, especially our head Prof Abbas Raza Nayyar. I aspire to become a professor and am happy that I cleared JRF."

"I had cleared NET in the first attempt, but wanted to be a JRF," he said. "I lost three years after schooling as I was unaware that we get a writer in higher education and an extra hour to write exam. RSVI organization of Prof Rakesh Jain and Shraddha ji made me aware of the support students like me get from government," he added.

More than 100 LU students clear NET

Around 100 students of Lucknow University cleared the National Eligibility Test – the examination for determining the eligibility for the post of assistant professor or being awarded the Junior Research Fellowship in Indian universities and colleges – the results of which were declared on Tuesday. TNN